



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दिनांक 13-1-24	13-1-24	11	4-6

## युवा देश की बड़ी ताकत : डा. जगबीर

हकृवि में स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य पर विचार संगोष्ठी का हुआ आयोजन



हकृवि में विचार संगोष्ठी को संबोधित करते मुख्य अतिथि डा. जगबीर सिंह। • पीआरओ

जागरण संवाददाता, हिसार : स्वामी विवेकानंद की जीवनी से चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में राष्ट्रीय युवा दिवस एवं स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य पर 'विकसित युवा-विकसित भारत' विषय पर विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा सरकार के राज्य सूचना आयुक्त डा. जगबीर सिंह रहे, जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने अध्यक्षता की।

डा. जगबीर सिंह ने युवाओं को

प्रेरणा लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने अपने जीवन में सदा उठो-जागो व लक्ष्य की प्राप्ति पर काम करने के लिए प्रेरणा दी। उन्होंने युवाओं को देश की सबसे बड़ी ताकत बताकर उन्हें साकारात्मक दिशा में चलने के लिए आह्वान किया। इस अवसर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद हरियाणा प्रांत की सह-मंत्री मोनिका वर्मा ने सभी का स्वागत कर सर्वप्रथम राष्ट्रीय युवा दिवस एवं स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य पर सभी को बधाई दी।

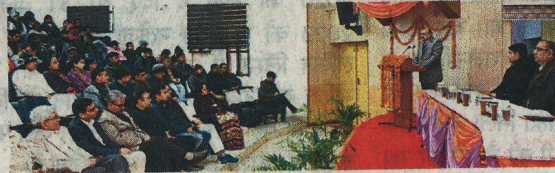




# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भरक	13-1-24	3	3-4

## युवा देश की सबसे बड़ी ताकत : डॉ. जगबीर सिंह



भारकर न्यूज़ | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी कॉलेज में शुक्रवार को राष्ट्रीय युवा दिवस एवं स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य पर 'विकसित युवा-विकसित भारत' विषय पर विचार संगोष्ठी की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा सरकार के राज्य सूचना आयुक्त डॉ. जगबीर सिंह रहे, जबकि एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर. काम्बोज ने अध्यक्षता की।

मुख्य अतिथि डॉ. जगबीर सिंह ने युवाओं को स्वामी विवेकानंद की जीवनी से प्रेरणा लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने अपने जीवन में सदा उठो-जागो व लक्ष्य की प्राप्ति पर काम करने के लिए प्रेरणा दी।

एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने अपने अध्यक्षीय भाषण में भारत को युवाओं का देश बतलाया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय युवा दिवस एवं स्वामी विवेकानंद जयंती मनाने का मुख्य उद्देश्य युवाओं को देश के उत्थान एवं समृद्ध बनाने के लिए बार-बार जागृत करना है, ताकि भारत के महान पुरुषों के दिखाए मार्ग व सिद्धांतों पर चलकर युवा सकारात्मक दिशा में काम करें। इस अवसर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, हरियाणा प्रांत की सह-मंत्री मोनिका वर्मा ने सभी का स्वागत किया।





# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि न्यूज	13-1-24	11	2-5

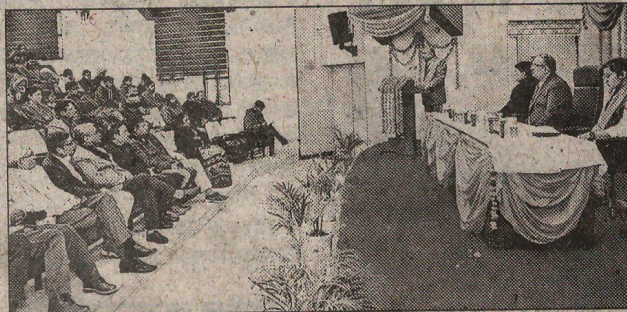
एचएयू में स्वामी विवेकानंद जयंती पर संगोष्ठी का आयोजन

## युवा देश की सबसे बड़ी ताकत उन्हें सकारात्मक दिशा दिखाएं

■ युवाओं को विवेकानंद की जीवनी से प्रेरणा लेने के लिए किया प्रेरित

हरिन्यूज न्यूज | हिसार

हरियाणा के राज्य सूचना आयुक्त डॉ. जगबीर सिंह ने कहा है कि स्वामी विवेकानंद ने अपने जीवन में सदा उठो-जागो व लक्ष्य की प्राप्ति पर काम करने के लिए प्रेरणा दी। उन्होंने युवाओं को देश की सबसे बड़ी ताकत बताकर उन्हें सकारात्मक दिशा में चलने के लिए आह्वान किया। डॉ. जगबीर सिंह शुक्रवार को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में राष्ट्रीय युवा दिवस एवं स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य पर ह्यविकसित युवा-विकसित भारत विषय पर विचार संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। डॉ. जगबीर



हिसार। विचार संगोष्ठी को संबोधित करते मुख्य अतिथि डॉ. जगबीर सिंह।

इसमें मुख्य अतिथि थे जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने अध्यक्षता की। डॉ. जगबीर सिंह ने युवाओं को स्वामी विवेकानंद की जीवनी से प्रेरणा लेने के लिए प्रेरित किया और कहा कि युवा शक्ति के दम पर ही भारत को विकसित देशों की लिस्ट में शामिल किया जा सकता है। उन्होंने 1893 में शिकागो में हुई विश्व धर्म परिषद सम्मेलन का जिक्र करते

हुए बताया कि वहां स्वामी विवेकानंद को भाषण देने के लिए पहले काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन फिर भी उन्होंने हार नहीं मानी और दृढ़ता के साथ वहां जगह-जगह भाषण देने शुरू कर दिए। उनकी प्रतिभा देखकर आखिरकार विश्व धर्म परिषद के सदस्यों ने उन्हें भाषण देने के लिए अनुमति प्रदान की। तब स्वामी विवेकानंद ने अपने उद्बोधन में

अमेरिकन लोगों को अपना भाई-बंधु बताया, जिससे प्रभावित होकर उपस्थित लोगों ने करीब दो मिनट के उनके लिए तालियां बजाईं।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने अपने अध्यक्षीय भाषण में भारत को युवाओं का देश बतलाया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय युवा दिवस एवं स्वामी विवेकानंद जयंती मनाने का मुख्य उद्देश्य युवाओं को देश के उत्थान एवं समृद्ध बनाने के लिए बार-बार जागृत करना है ताकि भारत के महान पुरुषों के दिखाए मार्ग व सिद्धांतों पर चलकर युवा साकारात्मक दिशा में काम करें। इस अवसर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, हरियाणा प्रांत की सह-मंत्री मोनिका वर्मा ने सभी का स्वागत कर सर्वप्रथम राष्ट्रीय युवा दिवस एवं स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य पर सभी को बधाई दी।





# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम  
अज्ञीत समाचार

दिनांक  
13-1-24

पृष्ठ संख्या  
5

कॉलम  
1-4

## युवा देश की सबसे बड़ी ताकत, जल्द है उन्हें सकारात्मक दिशा दिखाने की : डॉ. जगबीर सिंह

हिसार, 12 जनवरी (चिन्मय वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में आज राष्ट्रीय युवा दिवस एवं स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य पर 'विकसित युवा-विकसित भारत' विषय पर विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा सरकार के राज्य सूचना आयुक्त डॉ. जगबीर सिंह रहे, जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अध्यक्षता की। मुख्य अतिथि डॉ. जगबीर सिंह ने युवाओं को स्वामी विवेकानंद की जीवनी से प्रेरणा लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने अपने जीवन में सदा उठे-जागो व लक्ष्य की प्राप्ति पर काम करने के लिए प्रेरणा दी। उन्होंने युवाओं को देश की सबसे बड़ी ताकत बताकर उन्हें सकारात्मक दिशा में चलने के लिए आह्वान किया। युवा शक्ति के दम पर ही भारत को विकसित देशों की लिस्ट में शामिल किया जा सकता है। मुख्यातिथि ने 1893 में शिकागो में हुई विश्व धर्म परिषद सम्मेलन का जिक्र करते हुए बताया कि वहां स्वामी विवेकानंद को भाषण देने के लिए पहले काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ा लेकिन फिर भी उन्होंने हार नहीं मानी और दुबता के साथ वहां जगह-जगह भाषण देने शुरू कर दिए। उनकी प्रतिभा देखकर आश्चर्यकर विश्व



हकृवि में आयोजित विचार संगोष्ठी को संबोधित करते मुख्य अतिथि डॉ. जगबीर सिंह।

धर्म परिषद के सदस्यों ने उन्हें भाषण देने के लिए अनुमति प्रदान की। तब स्वामी विवेकानंद ने अपने उद्बोधन में अमेरिकन लोगों को अपना भाई-बंधु बताया, जिससे प्रभावित होकर उपस्थित लोगों ने करीब 2 मिनट तक उनके लिए तालियां बजाईं। मुख्यातिथि ने शिक्षा पद्धति में बदलाव कर स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालयों व गुरुकुलों में विद्यार्थियों को पारंपरिक ज्ञान देने पर जोर दिया। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे जहां भी हैं, चाहे छोटे या फिर बड़े स्तर पर काम कर रहे हैं उनको देश को संपन्न एवं समृद्ध बनाने के लिए सुविचारों के साथ नई ऊर्जा से काम करना चाहिए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने अध्यक्षीय भाषण में भारत को युवाओं का देश बतलाया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय युवा दिवस एवं स्वामी

विवेकानंद जयंती मनाने का मुख्य उद्देश्य युवाओं को देश के उत्थान एवं समृद्ध बनाने के लिए बार-बार जागृत करना है ताकि भारत के महान पुरुषों के दिखाए मार्ग व सिद्धांतों पर चलकर युवा सकारात्मक दिशा में काम करें। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने भारत को विकसित एवं समृद्ध बनाने के लिए तीन बड़ी भविष्यवाणियां की थी, जिनमें पहली यह थी कि 1890 के दशक में भारत अपने अकल्पनीय परिस्थितियों में अथक प्रयास की मदद से अगले 50 सालों में स्वाधीनता प्राप्त करेगा। दूसरी भविष्यवाणी यह थी कि रूस में श्रमिक क्रांति आएगी। ये दोनों भविष्यवाणियां सत्य साबित हुईं। तीसरी भविष्यवाणी यह थी कि भारत एक बार फिर अपनी शक्ति एवं पारंपरिक ज्ञान की मदद से समृद्ध एवं स्वावलंबी बनेगा तथा वह

विकसित देशों में शुमार होकर फिर से विश्वगुरु बन सकेगा। उन्होंने कहा कि अगर युवा सकारात्मक विचारों व ऊर्जा के साथ अपने पथ पर आगे बढ़ते हैं तो निश्चित रूप से उनको सफलता मिलनी तय है। प्रो. काम्बोज ने रविन्द्रनाथ टैगोर की पंक्तियों को याद कर युवाओं को कहा कि अगर भारत को पूरी तरह से जानना है तो स्वामी विवेकानंद की जीवनी को जरूर पढ़ें। उन्होंने वर्तमान पीढ़ी को इनोवेशन के साथ नए-नए शोध करने व आगामी पीढ़ी के लिए प्रेरणास्त्रोत बनने पर जोर दिया। इस अवसर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, हरियाणा प्रांत की सह-मंत्री मोनिका वर्मा ने सभी का स्वागत कर सर्वप्रथम राष्ट्रीय युवा दिवस एवं स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य पर सभी को बधाई दी। उन्होंने स्वामी विवेकानंद को युवाओं का आदर्श बताकर उनके द्वारा दिखाए मार्गों व सिद्धांतों पर चलने के लिए समस्त युवाओं को प्रेरित किया। उपरोक्त परिषद, हिसार के नगर अध्यक्ष नरेश ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया, जबकि मंच संचालन छात्रा मुस्कान ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारीगण सहित इससे जुड़े समस्त महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, शोधार्थी के अलावा डॉ. रामकरण व हेमंत कौशिक भी मौजूद रहे।





# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब कसरी	13-1-24	4	5-6



हकृवि में आयोजित विचार संगोष्ठी को संबोधित करते मुख्य अतिथि डॉ. जगबीर सिंह।

## युवा देश की सबसे बड़ी ताकत, जरूरत है उन्हें सकारात्मक दिशा दिखाने की : डॉ. जगबीर

हिसार (ब्यूरो) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में राष्ट्रीय युवा दिवस एवं स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य पर 'विकसित युवा-विकसित भारत' विषय पर विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा सरकार के राज्य सूचना आयुक्त डॉ. जगबीर सिंह रहे, जबकि अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने की।

मुख्य अतिथि डॉ. जगबीर सिंह ने युवाओं को स्वामी विवेकानंद की जीवनी से प्रेरणा लेते हुए अपने जीवन

में सदा उठो-जागो व लक्ष्य की प्राप्ति पर काम करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने युवाओं को देश की सबसे बड़ी ताकत बताते हुए सकारात्मक दिशा में चलने का आह्वान किया।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि भारत के महान पुरुषों के दिखाए मार्ग व सिद्धांतों पर चलकर युवा सकारात्मक दिशा में काम करें। इस अवसर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, हरियाणा प्रांत की सह-मंत्री मोनिका वर्मा ने स्वामी विवेकानंद को युवाओं का आदर्श बताकर उनके द्वारा दिखाए मार्गों व सिद्धांतों पर चलने के लिए प्रेरित किया।





# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उमर उजाला	13-1-24	4	4

## युवा स्वामी विवेकानंद की जीवनी से लें प्रेरणा



एचएयू में विचार संगोष्ठी को संबोधित करते मुख्य अतिथि डॉ. जगबीर सिंह। स्रोत: आयोजक

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में राष्ट्रीय युवा दिवस एवं स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य पर 'विकसित युवा-विकसित भारत' विषय पर विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राज्य सूचना

आयुक्त डॉ. जगबीर सिंह रहे। उन्होंने युवाओं को स्वामी विवेकानंद की जीवनी से प्रेरणा लेने के लिए प्रेरित किया। कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने अध्यक्षता की। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद हरियाणा प्रांत की सह-मंत्री मोनिका वर्मा ने सभी का स्वागत किया। इस मौके पर परिषद के नगर अध्यक्ष नरेश, मुस्कान आदि मौजूद रहे। संवाद





# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	12.01.2024	--	--

## विकसित युवा-विकसित भारत विषय पर आयोजित विचार संगोष्ठी का आयोजन

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में आज राष्ट्रीय युवा दिवस एवं स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य पर 'विकसित युवा-विकसित भारत' विषय पर विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा सरकार के राज्य सूचना आयुक्त डॉ. जगबीर सिंह रहे, जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अध्यक्षता की।

मुख्य अतिथि डॉ. जगबीर सिंह ने युवाओं को स्वामी विवेकानंद की जीवनी से प्रेरणा लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने अपने जीवन में सदा उठो-जागो व लक्ष्य की प्राप्ति पर काम करने के लिए प्रेरणा दी। युवा शक्ति के दम पर ही भारत को विकसित देशों की लिस्ट में शामिल किया जा सकता है। मुख्यातिथि ने 1893 में शिकागो में हुई विश्व धर्म परिषद सम्मेलन का जिक्र करते हुए बताया कि वहां स्वामी विवेकानंद को भाषण देने के लिए पहले काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ा लेकिन फिर भी उन्होंने हार नहीं मानी और दृढ़ता के साथ वहां जगह-जगह भाषण देने शुरू कर दिए।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने अध्यक्षीय भाषण में भारत को युवाओं का देश बतलाया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय युवा दिवस एवं स्वामी विवेकानंद जयंती मनाने का मुख्य उद्देश्य युवाओं को देश के उत्थान एवं समृद्ध बनाने के लिए बार-बार जागृत करना है ताकि भारत के महान पुरुषों के दिखाए मार्ग व सिद्धांतों पर चलकर युवा साकारात्मक दिशा में काम करें। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने भारत को विकसित एवं समृद्ध बनाने के लिए तीन बड़ी भविष्यवाणियां की थी, जिनमें पहली यह थी कि 1890 के दशक में भारत अपने अकल्पनीय परिस्थितियों में अथक प्रयास की मदद से अगले 50 सालों में स्वाधीनता प्राप्त करेगा। दूसरी भविष्यवाणी यह थी कि रूस में श्रमिक क्रांति आएगी। ये दोनों भविष्यवाणियां सत्य साबित हुईं। तीसरी भविष्यवाणी यह थी कि भारत एक बार फिर अपनी शक्ति एवं पारंपरिक ज्ञान की मदद से समृद्ध एवं स्वावलंबी बनेगा तथा वह विकसित देशों में शुमार होकर फिर से विश्वगुरु बन सकेगा। उन्होंने कहा कि अगर युवा साकारात्मक विचारों व ऊर्जा के साथ अपने पथ पर आगे बढ़ते हैं तो निश्चित रूप से उनको सफलता मिलनी तय है।





# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष न्यूज	13.01.2024	--	--

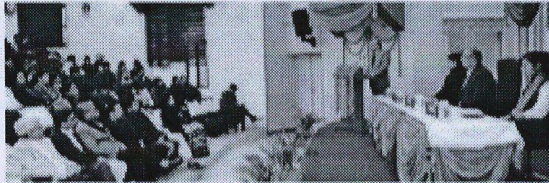
## हकृति में राष्ट्रीय युवा दिवस एवं स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य पर विकसित युवा-विकसित भारत विषय पर आयोजित विचार संगोष्ठी का हुआ आयोजन

**युवा देश की सबसे बड़ी ताकत, जरूरत है उन्हें साकारात्मक दिशा दिखाने की : डॉ. जगबीर सिंह**

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 13 जनवरी : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौखिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में राष्ट्रीय युवा दिवस एवं स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य पर 'विकसित युवा-विकसित भारत' विषय पर विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा सरकार के राज्य सूचना आयुक्त डॉ. जगबीर सिंह रहे, जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अध्यक्षता की।

मुख्य अतिथि डॉ. जगबीर सिंह ने युवाओं को स्वामी विवेकानंद की जीवनी से प्रेरणा लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने अपने जीवन में सदा उठो-जागो व लक्ष्य की प्राप्ति पर काम करने के लिए प्रेरणा दी। उन्होंने युवाओं को देश की सबसे बड़ी ताकत बताकर उन्हें साकारात्मक दिशा में चलने के लिए आह्वान किया। युवा शक्ति के दम पर ही भारत को विकसित देशों की लिस्ट में



शामिल किया जा सकता है। मुख्यअतिथि ने 1893 में शिकागो में हुई विश्व धर्म परिषद सम्मेलन का जिक्र करते हुए बताया कि वहाँ स्वामी विवेकानंद को भाषण देने के लिए पहले काफ़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ा लेकिन फिर भी उन्होंने हार नहीं मानी और दुइता के साथ वहाँ जगह-जगह भाषण देने शुरू कर दिए। उनकी प्रतिभा देखकर आधिकारिक विश्व धर्म परिषद के सदस्यों ने उन्हें भाषण देने के लिए अनुमति प्रदान की। तब स्वामी विवेकानंद ने अपने उद्बोधन में अमेरिकन लोगों को अपना भाई-बंधु बताया, जिससे प्रभावित होकर उपस्थित लोगों ने करीब 2 मिनट तक उनके लिए तारिलियाँ बजाईं। मुख्यअतिथि ने शिक्षा पद्धति में बदलाव कर स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालयों

व गुरुकुलों में विद्यार्थियों को पारंपरिक ज्ञान देने पर जोर दिया। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे जहाँ भी है, चाहे छोटे या फिर बड़े स्तर पर काम कर रहे हैं उनकी देश को संभव एवं समृद्ध बनाने के लिए सुविचारों के साथ नई ऊर्जा से काम करना चाहिए।

इस अवसर पर अधिकृत भारतीय विद्यार्थी परिषद, हरियाणा प्रांत की सह-मंत्री मोनिका वर्मा ने सभी का स्वागत कर सर्वप्रथम राष्ट्रीय युवा दिवस एवं स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य पर सभी को बधाई दी। उन्होंने स्वामी विवेकानंद को युवाओं का आदर्श बताकर उनके द्वारा दिखाए गए मार्ग व सिद्धांतों पर चलने के लिए समस्त युवाओं को प्रेरित किया। उपरोक्त परिषद, हिसार के नगर अध्यक्ष नरेश ने धन्यवाद प्रस्ताव

### स्वामी विवेकानंद की विकसित भास्त की तीसरी भविष्यवाणी भी सच सिद्ध होगी : कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने अध्यक्षीय भाषण में भारत को युवाओं का देश बतलाया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय युवा दिवस एवं स्वामी विवेकानंद जयंती मनाने का मुख्य उद्देश्य युवाओं को देश के उत्थान एवं समृद्ध बनाने के लिए बार-बार जागृत करना है ताकि भारत के महान पुरुषों के दिखाए मार्ग व सिद्धांतों पर चलकर युवा साकारात्मक दिशा में काम करें। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने भारत को विकसित एवं समृद्ध बनाने के लिए तीन बड़ी भविष्यवाणियों की थी, जिनमें पहली यह थी कि 1890 के दशक में भारत अपने अकल्पनीय परिस्थितियों में अंधक प्रयास की मदद से अगले 50 सालों में स्वाधीनता प्राप्त करेगा। दूसरी भविष्यवाणी यह थी कि रूस में श्रमिक क्रांति आएगी। ये दोनों भविष्यवाणियाँ सत्य साबित हुईं। तीसरी भविष्यवाणी यह थी कि भारत एक बार फिर अपनी शक्ति एवं पारंपरिक ज्ञान की मदद से समृद्ध एवं स्वावलंबी बनेगा तथा वह विकसित देशों में शमार होकर फिर से विश्वगुरु बन सकेगा। उन्होंने कहा कि अगर युवा साकारात्मक विचारों व ऊर्जा के साथ अपने पथ पर आगे बढ़ते हैं तो निश्चित रूप से उनकी सफलता मिलनी तय है। प्रो. काम्बोज ने रविन्द्रनाथ टैगोर की कविताओं को याद कर युवाओं को कहा कि अगर भारत को पूरी तरह से जानना है तो स्वामी विवेकानंद की जीवनी को जरूर पढ़ें। उन्होंने वर्तमान पीढ़ी को इनीवेशन के साथ नए-नए शोध करने व आगामी पीढ़ी के लिए प्रेरणास्त्रोत बनने पर जोर दिया।

प्रस्तुत किया, जबकि मंच संचालन महाविद्यालयों के अधिकारिता, छात्रा मुखान ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारीगण शोभायी के अलावा डॉ. रामकरण व हेमंत कौशिक भी मौजूद रहे।





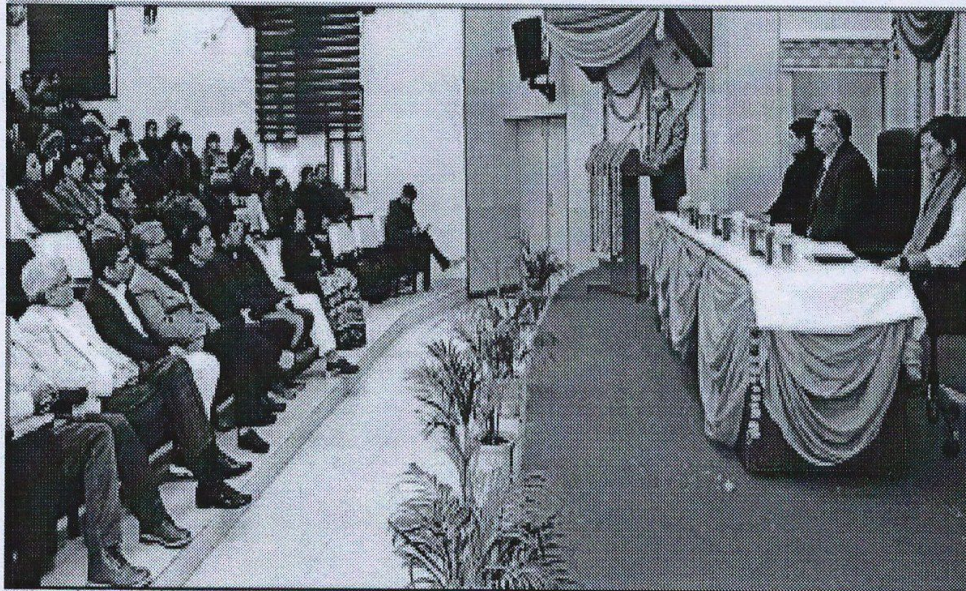
# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	12.01.2024	--	--

## युवा देश की सबसे बड़ी ताकत, जरूरत है उन्हें साकारात्मक दिशा दिखाने की : डॉ. जगबीर सिंह

समस्त हरियाणा न्यूज

दिल्ली, 13 जनवरी। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सीनियर विद्वान एवं सचिवको महाविद्यालय में आज राष्ट्रीय युवा दिवस एवं स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य पर 'विकसित युवा-विकसित भारत' विषय पर विचार गोष्ठि का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. जगबीर सिंह के अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में डॉ. अर. काश्यप ने अध्यक्षता की। मुख्य अतिथि डॉ. जगबीर सिंह ने युवाओं को स्वामी विवेकानंद की जीवन से प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने अपने जीवन में गरीबों, अज्ञानों व लक्ष्य को प्रति साकार करने के लिए प्रेरणा दी। उन्होंने युवाओं को देश को सबसे बड़े साकार साकार करने के लिए प्रोत्साहित किया। युवाओं के मन पर ही भारत को विकसित देशों की लिस्ट में शामिल किया जा सकता है। मुख्य अतिथि ने 1993 में दिल्ली में हुए विश्व युवा परिषद सम्मेलन का विवरण कसौटूरे बताया कि वहाँ स्वामी विवेकानंद को भजना देने के लिए पहली बार सुनियोजित कार्यक्रम का आयोजन किया था। उन्होंने कहा वहाँ मजहोर और दुःख के साथ बसा जाग-जाग भजना देने का दिन। उनको प्रेरणा देकर अतीतका विषय धर्म चौधरी के सदस्यों ने उन्हें प्रेरणा देने के लिए अनुभूति प्रदान की। जब स्वामी विवेकानंद ने अपने जीवन में अमेरिकन लोगों को अपने भाई-बंधु बताया, जिससे अतीत होकर उन्नीसवीं सदी में



करिये 2 मिनट तक उनके लिए साक्षिण्य प्रदान। मुख्य अतिथि ने शिक्षा चर्चा में परतलप का स्वरूप, कौशल, विधिविद्यालयों व गुणवत्ता में विद्यार्थियों को अज्ञान किया कि वे जहाँ भी हैं, उन्हें छोड़ना ही बड़े साकार का रास्ता है। उनको देश को साकार एवं समृद्ध करने के लिए युवाओं के साथ नई ऊर्जा से काम

करना चाहिए।

सबसे धिये बनने की विकसित भारत की नींवरी धिये बनने की नींवरी है। युवाओं को

को अर. काश्यप ने

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. पी.आर. काश्यप ने अपने अध्यक्षीय भाषण में भारत को युवाओं का देश बताया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय युवा दिवस एवं स्वामी

विवेकानंद जयंती मनाने का मुख्य उद्देश्य युवाओं को देश के उपकार एवं समृद्ध बनने के लिए साकार जागू करना है। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने भारत को विकसित एवं समृद्ध बनने के लिए हीन बड़ी भविष्यवाणियों की दी, जिसमें पहली बार भी कि 1993 के दशक में भारत अपने अर्थव्यवस्था की नींवरी में अर्थव्यवस्था को मजहोर से अगले 50 सालों में विकसित करेगा। दूसरी भविष्यवाणी यह थी कि देश में प्रौद्योगिकी बढ़ेगी। ये दोनों भविष्यवाणियाँ सत्य साक्षिण्य हुईं। चौधरी भविष्यवाणी यह थी कि भारत एक साकार बनने की नींवरी एवं साकार बनने की नींवरी से समृद्ध एवं स्वयंसेवी बनने का यह विकसित देशों में सुनार होकर फिर से विश्वगुरु बन सकेगा। उन्होंने कहा कि अगर युवा साकारात्मक विचारों व ऊर्जा के साथ अपने देश का अर्थव्यवस्था को विकसित करने के लिए साकारात्मक दिशा दिखाने की जरूरत है। डॉ. काश्यप ने अर्थव्यवस्था को विकसित करने के लिए युवाओं को कहा कि अगर भारत को एक राष्ट्र में बनाना है तो स्वामी विवेकानंद की जीवन की जरूरत है। उन्होंने अतीतक युवाओं को इनके जीवन के साथ नए-नए जोड़ने का व अतीतक युवाओं के लिए प्रेरणा देने का जोड़ दिया। इस अवसर पर अतिथि भारतीय विद्यार्थी परिषद, हरियाणा के अध्यक्ष डॉ. जगबीर सिंह ने सभी को साकार का सचिव व राष्ट्रीय युवा दिवस एवं स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य पर सभी को बधाई दी। उन्होंने स्वामी विवेकानंद को युवाओं का अतीतक साकार समस्त युवाओं को प्रेरित किया। उन्होंने परिषद, हरियाणा के अध्यक्ष डॉ. जगबीर सिंह ने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि युवाओं को साकारात्मक दिशा दिखाने की जरूरत है। डॉ. काश्यप ने अर्थव्यवस्था को विकसित करने के लिए युवाओं को कहा कि अगर भारत को एक राष्ट्र में बनाना है तो स्वामी विवेकानंद की जीवन की जरूरत है। उन्होंने अतीतक युवाओं को इनके जीवन के साथ नए-नए जोड़ने का व अतीतक युवाओं के लिए प्रेरणा देने का जोड़ दिया। इस अवसर पर अतिथि भारतीय विद्यार्थी परिषद, हरियाणा के अध्यक्ष डॉ. जगबीर सिंह ने सभी को साकार का सचिव व राष्ट्रीय युवा दिवस एवं स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य पर सभी को बधाई दी। उन्होंने स्वामी विवेकानंद को युवाओं का अतीतक साकार समस्त युवाओं को प्रेरित किया। उन्होंने परिषद, हरियाणा के अध्यक्ष डॉ. जगबीर सिंह ने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि युवाओं को साकारात्मक दिशा दिखाने की जरूरत है। डॉ. काश्यप ने अर्थव्यवस्था को विकसित करने के लिए युवाओं को कहा कि अगर भारत को एक राष्ट्र में बनाना है तो स्वामी विवेकानंद की जीवन की जरूरत है। उन्होंने अतीतक युवाओं को इनके जीवन के साथ नए-नए जोड़ने का व अतीतक युवाओं के लिए प्रेरणा देने का जोड़ दिया।





# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

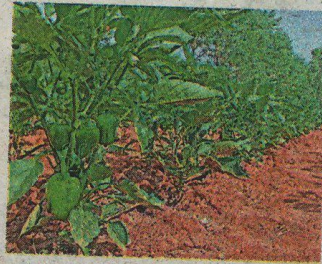
समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	11-01-24	4	6-8

## शिमला मिर्च की कैलिफोर्निया वंडर, सोलन भरपूर, एनपी 46-ए व पंत सी-1 किस्मों में उगाएं बसंतकालीन बैंगन के लिए हिसार श्यामल व हिसार प्रगति की बिजाई करें

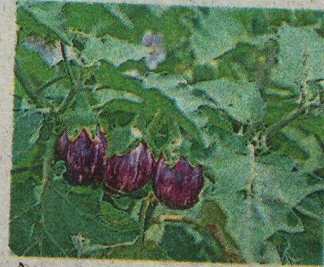
यशपाल सिंह | हिसार

बसंतकालीन मिर्च व शिमला मिर्च की नर्सरी के लिए जनवरी महीना सही माना गया है। नर्सरी तैयार करने के बाद जनवरी-फरवरी में रोपाई की जा सकती है। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि मिर्च के लिए अनुमोदित किस्मों एनपी 46-ए, पूसा सदाबहार, पंत सी-1 और काशी अनमोल को प्रयोग में ले सकते हैं। एक एकड़ मिर्च व शिमला मिर्च की फसल के लिए लगभग 400 व 600 ग्राम बीज की जरूरत होती है। शिमला मिर्च में कैलिफोर्निया वंडर, सोलन भरपूर एवं पूसा कैपसिकम-1 का प्रयोग करें।

1 एकड़ में लगभग 10 टन गोबर की खाद रोपाई के लगभग 3 सप्ताह पूर्व खेत में अच्छी तरह से मिला लें। जुताई कर क्यारियां बना लें। एक एकड़ में 20 किलोग्राम नाइट्रोजन यानि 60 किलोग्राम यूरिया खाद, 12 किलोग्राम फॉस्फोरस यानि 75 किलोग्राम सिंगल सुपर फॉस्फेट तथा 12 किलोग्राम पोटाश यानि 20 किलोग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश की मात्रा डालें। नाइट्रोजन की



शिमला मिर्च की फाइल फोटो।



बैंगन की फसल की फाइल फोटो।

### बैंगन की फरवरी के दूसरे पखवाड़े में रोपाई करें

बैंगन की बसंतकालीन फसल के लिए यदि पौध तैयार कर रखी है तो फरवरी के दूसरे पखवाड़े से रोपाई शुरू की जा सकती है परंतु इस फसल को पाले से बचाना आवश्यक है। बैंगन की उन्नत किस्मों में बी.आर. 112, हिसार श्यामल व हिसार प्रगति को प्रयोग में लाया जा सकता है। एक एकड़ में लगभग 200 ग्राम बीज की आवश्यकता होती है।

1/3 मात्रा व फास्फोरस तथा पोटाश की पूरी मात्रा रोपाई के समय दें। शेष नाइट्रोजन खाद की 2/3 मात्रा को रोपाई के एक महीने पश्चात् फूल आने पर खड़ी फसल में दें। तैयार खेत में पौध की रोपाई कतारों में 45-60 सें.मी. दूरी पर करें तथा पौधे से पौधे की दूरी 30-45 सेंटीमीटर रखें। मिर्च के मुकाबले शिमला मिर्च की बढ़वार अधिक होती है। हकृषि सब्जी विभाग के वैज्ञानिक

डा. सुरेश तिहलान ने बताया कि खेत तैयार करने के लिए पौधारोपण के लगभग तीन सप्ताह पहले एक एकड़ में लगभग 10 टन गोबर की खाद, 40 किलोग्राम नाइट्रोजन यानि 100 किलोग्राम यूरिया खाद, 20 किलोग्राम फॉस्फोरस यानि 125 किलोग्राम सिंगल सुपर फॉस्फेट तथा 12 किलोग्राम पोटाश यानि 16 किलोग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश की मात्रा डालें।

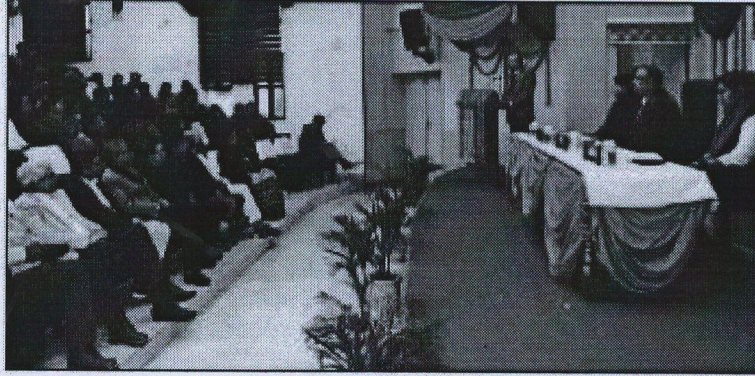




# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमृत धारा	13.01.2024	--	--

## हकूमि में राष्ट्रीय युवा दिवस एवं स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य पर विकसित युवा-विकसित भारत विषय पर आयोजित विचार संगोष्ठी का हुआ आयोजन



हिसार से अमृत धारा के लिए फोटो जर्नलिस्ट मनोज भुटानी के साथ सजीव मेहता - चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में आज राष्ट्रीय युवा दिवस एवं स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य पर 'विकसित युवा-विकसित भारत' विषय पर विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा सरकार के राज्य सूचना आयुक्त डॉ. जगवीर सिंह रहे जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अध्यक्षता की। मुख्य अतिथि डॉ. जगवीर सिंह ने युवाओं को स्वामी विवेकानंद की जीवनी से प्रेरणा लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने अपने जीवन में सदा उठो-जागो व लक्ष्य की प्राप्ति पर काम करने के लिए प्रेरणा दी। उन्होंने युवाओं को देश की सबसे बड़ी ताकत बताकर उन्हें साकारात्मक दिशा में चलने के लिए आह्वान किया। युवा शक्ति के दम पर ही भारत को विकसित देशों की लिस्ट में शामिल किया जा सकता है। मुख्यअतिथि ने 1893 में शिकारगो में हुई विश्व धर्म

परिषद सम्मेलन का जिक्र करते हुए बताया कि यहाँ स्वामी विवेकानंद को भाषण देने के लिए पहले काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ा लेकिन फिर भी उन्होंने हार नहीं मानी और दुवता के साथ वहाँ जगह-जगह भाषण देने शुरू कर दिए। उनकी प्रतिभा देखकर आश्चर्यकारक विश्व धर्म परिषद के सदस्यों ने उन्हें भाषण देने के लिए अनुमति प्रदान की। तब स्वामी विवेकानंद ने अपने उद्बोधन में अमेरिकन लोगों को अपना भई-बेधु बताया, जिससे प्रभावित होकर उपस्थित लोगों ने करीब दो मिनट तक उनके लिए तालियाँ बजाईं। मुख्यअतिथि ने शिक्षा पद्धति में बदलाव कर स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालयों व गुरुकुलों में विद्यार्थियों को पारंपरिक ज्ञान देने पर जोर दिया। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे जहाँ भी हैं, चाहे छोटे या फिर बड़े स्तर पर काम कर रहे हैं उनको देश को संपन्न एवं समृद्ध बनाने के लिए रुचिचारी के साथ नई ऊर्जा से काम करना चाहिए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने अध्यक्षीय भाषण में भारत को युवाओं का देश बतलाया। उन्होंने कहा कि

राष्ट्रीय युवा दिवस एवं स्वामी विवेकानंद जयंती मनाने का मुख्य उद्देश्य युवाओं को देश के उत्थान एवं समृद्ध बनाने के लिए बार-बार जागृत करना है ताकि भारत के महान पुरुषों के दिखाए मार्ग व सिद्धांतों पर चलकर युवा साकारात्मक दिशा में काम करें। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने भारत को विकसित एवं समृद्ध बनाने के लिए तीन बड़ी भविष्यवाणियाँ की थी, जिनमें पहली यह थी कि 1890 के दशक में भारत अपने अकल्पनीय परिस्थितियों में अथक प्रयास की मदद से अगले 50 सालों में स्वाधीनता प्राप्त करेगा। दूसरी भविष्यवाणी यह थी कि रूस में श्रमिक क्रांति आएगी। ये दोनों भविष्यवाणियाँ सत्य साबित हुईं। तीसरी भविष्यवाणी यह थी कि भारत एक बार फिर अपनी शक्ति एवं पारंपरिक ज्ञान की मदद से समृद्ध एवं स्वावलंबी बनेगा तथा वह विकसित देशों में शुमार होकर फिर से विश्वगुरु बन सकेगा। उन्होंने कहा कि अगर युवा साकारात्मक विचारों व ऊर्जा के साथ अपने पथ पर आगे बढ़ते हैं तो निश्चित रूप से उनको

सफलता मिलनी तय है। प्रो. काम्बोज ने रविन्द्रनाथ टैगोर की पंक्तियों को याद कर युवाओं को कहा कि अगर भारत को पूरी तरह से जानना है तो स्वामी विवेकानंद की जीवनी को जरूर पढ़ें। उन्होंने वर्तमान पीढ़ी को इनामदान के साथ नए-नए शोध करने व आगामी पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत बनने पर जोर दिया। इस अवसर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, हरियाणा प्रांत की रास-मंत्री मीनिका वर्मा ने सभी का स्वागत कर सर्वप्रथम राष्ट्रीय युवा दिवस एवं स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य पर सभी को बधाई दी। उन्होंने स्वामी विवेकानंद को युवाओं का आदर्श बताकर उनके द्वारा दिखाए मार्ग व सिद्धांतों पर चलने के लिए समस्त युवाओं को प्रेरित किया। हिसार के नगर अध्यक्ष नरेश ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया, जबकि मंच संचालन छात्र मुरकान ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारीगण सहित इससे जुड़े सम्बन्ध महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, शोधार्थी के अलावा डॉ. रामकरण व हेमंत कौशिक भी मौजूद रहे।